दोस्त

शीत में धूप का एक
सुखद एहसास तो
ग्रीष्म में शीतल छांव
कांधे पे रख दें हाथ
हो जाते सारे काम ....
बारिश में छाता बन
बाहों में भर लेते
हर मौसम में दोस्त
बंसत बनकर देते साथ
पतझड़ में भी निभाते
बखूबी अपना साथ....
दोस्त को दोस्ती की
कसौटी पर मत मापों यार
दोस्त तो दोस्ती का जिंदगी
में देते है सच्चे मन से पैगाम
खुशनसीब है वे जिनके
दुआओं में उठते सदा
दोस्त के लिए दोस्ती के हाथ...

लाल बहादुर श्रीवास्तव

रमजान पर विशेष समाचार

आज मुस्लिम समाज का जमातुल विदा

शाजापुर मुसलमान के लिए रमजान बारकतो ,नेकियां व रहमतों कि बहर का महीना है सज्जाद अहमद कुरैशी ने बताया कि 28 मार्च को रमजान उल मुबारक का आखिरी जुमा हे दिन मुस्लिम समाज के मानने वाले यह सोचते हैं कि उन्होंने इस साल रमजान का महीना कैसे गुजरा समाज के गरीब जरूरतमंद की मदद और सखावत का बर्ताव किया या नहीं पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की बताइए तरीके पर चले या फिर किसी और काम में वक्त बर्बाद किया श्री कुरैशी ने बताया कि पवित्र आसमानी किताब कुरान इस मुकद्दस महीने में उतरना शुरू हुआ और लगभग 23 बरस की मुद्दत में पूरा हुआ जो बताता है कि तुम्हारा रब तुम्हारा पालनहार बहुत दयावान और कृपासील है जिसने जिंदगी गुजारने का रास्ता बताया और तुम्हें अंधेरों में भटकने के लिए नहीं छोड़ा.

जेआयटी बोरावां में साईन्स ओलम्पियाड के विजेताओं को किया पुरस्कृत

खरगोन । जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी बोरावां में दो दिवसीय साईन्स ओलम्पियाड़ 2025 के प्रथम दिवस गुरूवार 27 मार्च 2025 को खरगोन, बड़वानी, धार, झाबुआ , अलीराजपुर जिलों से कक्षा 12 वीं के 600 से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित हुए । दो दिवसीय साईन्स ओलम्पियाड़ परीक्षा का मुख्य उद्देश्य तकनीकी शिक्षा के लिए आयोजित की जाने वाली जेईई मेन्स 2025 परीक्षा के लिए विद्यार्थियों का आत्मविश्वास जागृत कर उन्हें परीक्षा की पूर्व तैयारी एवं जेईई पाठ्यक्रम से अवगत करवाना था । साईन्स ओलम्पियाड के उपरांत विद्यार्थियों से संस्थान के प्राचार्य डॉ. अतुल उपाध्याय एवं डीन डॉ. सुनील सुगंधी द्वारा चर्चा कर उनका मार्गदर्शन किया । आज के परिप्रेक्ष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे की जाए और साथ ही विभिन्न प्रकार की चिंताओं और तनाव से कैसे दूर रहा जाए इसका भी मार्गदर्शन दिया । जेईई मेन्स जैसे प्रतियोगी परीक्षा में प्रश्नपत्र का पैटर्न और उनकी अंकयोजना की जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. उपाध्याय ने सूक्ष्म तैयारी एवं समय प्रबंधन पर विस्तार से विद्यार्थियों को समझाया । डॉ. सुंगंधी ने अपने उद्बोधन में हायर सेकेण्डरी परीक्षा के उपरांत विद्यार्थियों को उनके कॅरियर के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया । उन्होनें बताया कि गणित विषय अपने आप में परिपूर्ण विषय है जिसके माध्यम से इंजीनियरिंग के साथ ही अनगिनत क्षेत्रों में कॅरियर के विकल्प है । जेईई मेन्स जैसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता उनके कॅरियर को उॅचाई पर ले जा सकती है ।

शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल पानसेमल की छात्रा गुंजन बनी विजेता

राज पाटीदार द्वितीय एवं प्रकल्प पाटीदार ने जीता तृतीय पुरस्कार

गुरूवार 27 मार्च को आयेाजित साईन्स ओलम्पियाड में शासकीय कन्या हासे स्कूल पानसेमल की छात्रा गुंजन नंदराले ने प्रथम स्थान प्राप्त कर राशि रू 11 हजार का चैक प्राप्त किया । संस्कार एकेडमी नांद्रा के राज पाटीदार ने द्वितीय स्थान सुनिश्चित कर राशि रू 5100 का चैक प्राप्त किया । तृतीय स्थान पर नेहरू पब्लिक स्कूल निरसपुर के प्रकल्प पाटीदार ने राशि रू 2100 का चैक प्राप्त किया ।

इसके साथ ही साईन्स ओलम्पियाड में श्रेष्ठ प्रदर्शन एवं प्राप्तांकों के आधार पर 20 परीक्षार्थियों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किये गये । इसमें संतोष मेघवाल , प्रफुल्ल बिरला, युवराज चोयल, खुशी सोलंकी, सानिध्य पांचाल, रितेष हलदर, लक्की लेवा, तनीषा यादव , आदित्य वर्मा, प्रिया पाटीदार, मानषी पाटीदार, वंशिका पाटीदार, रक्षा गुप्ता, प्रतिभा पंवार, विशाखा निकुम, लक्षिता सातले, जय कर्मा, प्राजक्ता पाटीदार, प्रतिक राठौर एवं अक्षत यादव को सांत्वना पुरस्कार दिये ।

ईन्स ओलम्पियाड के सफल आयोजन पर पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने सभी प्रतिभागियों को अपने संदेश में बधाई एवं शुभकामनाएॅ प्रेषित की । साथ ही इस आयोजन के साक्षी बने पालकों एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं स्कूलों से पधारे सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया ।

इंजीनियरिंग विभागों एवं प्रयोगशालाओं में विजिट कर

पाठ्यक्रम की बारिकीयों से रूबरू हुए विद्यार्थी

साईन्स ओलम्पियाड 2025 में विभिन्न जिलों से आए सभी विद्यार्थियों ने संस्था के इंजीनियरिंग विभागों एवं लेबोरेटरीज में विजिट कर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की बारिकीयों को जाना । विजिट के दौरान संस्थान के विभागाध्यक्षों एवं फेकल्टी सदस्यों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान कर मार्गदर्शन प्रदान किया ।

लघु कथा

जब तक वो नहीं चाहेगा

मुझे याद है,याद तो तुम्हे भी होगा ही बात ही कुछ ऐसी थी, कैसे भूली जा सकती है, पहली बार हम दोनों एक साथ किसी गाडी से किसी आयोजित कार्यक्रम में साथ साथ जा रहे थे, हम दोनों ही थे बस वैसे ही जैसे कोई भीतर विराजमान ईश्वर रूप बोला रहा है, मैने पूरे आत्मा विश्वास से कहां था, तब जब तुम मेरा शहर छोड़ अपने शहर जाने की बात कर रही थी मैने, तुरंत कहां, तुम व्यर्थ परेशान हो रही हो जबकि सच यह है कि वहीं होगा जो वो चाहेगा, सब कुछ ईश्वर पर छोड़ दो, सच तो यह है कि, न तुम्हारे चाहने से और न मेरे चाहने से कुछ होगा, में भी चाहता हूं तुम अपने शहर चली जाओ तुम्हारी खुशी है यह जानता हूं अच्छे से, फिर भी अनायास निकला मेरे वह शब्द याद है कि, तुम मेरे लिए आई हो और यह सब कुछ ईश्वर की चाह है जब तक वह नहीं चाहेगा तब तक कितने ही प्रयास करो कुछ नहीं होगा पहले ही तुम कितने प्रयास कर चुकी हो वहीं हुआ न कि तुम सफल नहीं हों स्की और यहां आई हो मेरे शहर मुझे नहीं पता क्यों पर यह सब कुछ लिखा हुआ था मेरे नसीब मेंइसलिए तुम चाह कर भी नहीं जा सकी आज तक, में खुद चौका हुआ हूं , क्यों कैसे निकला मेरे मुंह से यह, जो इतना सत्य है कि आज भी सोच हैरान हूं सच तो यह है कि कुछ है वह कुछ क्या है न तुम जान सकी और न में आज तक पर यह सत्य है कि कभी कभी निकला हुआ अनायास कोई बात शब्द सत्य लिए होता है और वह सब कुछ ईश्वर रूप है इस बात को सैकड़ों बार महसूस किया है मैने मुझे आज तक नहीं पता क्या है यह पर इतना जानता हूं तुम्हारी याद के साथ ही कलम बेहिसाब दौड़ने लगती हैं इतना कुछ लिख जाता हूं कि चौक जाता हूं खुद , तुम कौन है क्यों ऐसा होता हैं क्यों लगता हैं तुम ही हो मेरा सब कुछ ईश्वर जो मुझे जिन्दा रखें हुए हैं और बेहिसाब अद्भुत रूप से प्रतिदिन सक्रिय भी नहीं जानता हूं क्यों पर इतना जानता हूं कहीं न कहीं तुम्हें भी अच्छा लगता हैं मेरे साथ पास फिर भले हम मिले या न मिले, दिखे या न दिखे बोले या न बोले बस हम है दोनों एक सी रूह जो हर पल सदा ही एक दूसरे के लिए अच्छी सोच चिंतन लिए शुभ कामना करते हुए सदा ही अद्भुत खुशी महसूस करते हैं क्या है यह सब कुछ ईश्वर जाने राम जाने राम की महिमा पर है परम् सत्य इस बात को न तुम नकार सकती न मैं, सच तो यह है कि यही रूह प्रेम प्यार है ।

जो अद्भुत पावन पवित्र रिश्ता है जो सदियों बाद किसी नसीब वाले पर ईश्वर का अनुपम प्यार और आशीर्वाद है यही वजह हैं कि आज हम, तुम बहुत ही अकेला अपनी मस्ती में मस्त रह कर जीने को हो अजीब सुख सुकून महसूस करते हैं, तुम हां तुम बिल्कुल मेरी जैसी हो यह सत्य में ही नहीं बोलता हूं तुम्हें तुम ने भी अनेक बार कहां है, सर आपको तो पता है कि में आपके जैसी ही हूं बस मन हुआ निकल गई अकेली धूमने अच्छा लगता है न में चुप सा तुम्हें देखता हूं और सोचता हूं कि तुम भी वहीं बोल रही हो जो में बोलता हूं जब मैं बोलता तब तुम चुप हो जाती और तुम बोलती यही बात तो मैं चुप हो स्वीकृत देता हुआ नज़र आता हूं राम जाने राम का दिया हुआ यह जन्म कितना कुछ दिखा जाता है ईश्वर अपना रूप, सचमुच बहुत अद्भुत है जो कभी हमने क्यों

अन्य को भी विश्वास नहीं होगा पर है यह सत्य ईश्वर है जो सब कुछ करता है और वहीं दुनिया चला रहा है बाक़ी सब भ्रम लिए है कि वो है तो यह है जबकि किसी के भी होने न होने से कोई फर्क नहीं पड़ता पड़ता है तो केवल ईश्वर की चाह से इच्छा से सब कुछ ईश्वर कृपा से

डॉ. रामशंकर चंचल
झाबुआ मध्य प्रदेश

अजम व इबादत का रमजान महीना

रमजान विशेष

रमजान एक महीने का नाम

इस्लाम के अंतिम पैगम्बर व रसूल हजरत मोहम्मद मुस्तफा ने आज से लगभग 1432 वर्ष पूर्व विष्व को निराकार ईष्वर की उपासना का संदेष देकर जहालत अज्ञानता को दूर करने का पैगाम दिया । इसी ईष्वर की उपासना की तीसरी कडी बना रोजा । इस्लाम में होष संभालने से लेकर मरते दम तक खुदा के कानून व उसके हुक्मों के मुताबिक जिंदगी गुजारना भी इबादत है । पवित्र कुरआन कहता है कि तुम वह बेहतरीन उम्मत हो जिसे लोगों के लिये बनाया गया है । तुमहारा काम यह है कि तुम लोगों को नेकी का हुक्म दो मऔर बुराई से रोको व अल्लाह पर ईमान रखों । रमजान एक महीने का नाम होता है जिस तरह अंग्रेजी महीने जनवरी,, फरवरी,, मार्च, आदि होते है । इसी तरह मोर्हरम, सफर, रबिउल अव्वल, रबीउलआखि, जमादुलअव्वल, जमादुलआखिर, रजब, ष्षाबान, रमजान, ष्व्वाल, जिलकदाह, जिलहिज्जाह के रूप में बारह मुस्लिम महीने होते है ।

रोजा साल में एक बार आपको व हमें इस बात का संदेष देता है । रोजे में खुदा का खौफ, उसकी वफादारी , इताअत, मोहब्बत व सब्र का जज्बा हमें इंसानियत व इंसानी दर्द का पहचानने की सीख`ता है । रोजा बंदो का इम्तेहान है जिसमें रोजेदार हर वह काम छोड देता है जो हमारा है । अल्लाह के पैगम्बर सल्लाहो अलैह वसल्लम ने फरमाया जो ष्षख्स झुठ और गुनाह के काम न छोडे तो अल्लाह तआला को कोई जरूरत नहीं कि वह अपना खाना पीना छोडे । रमजान माह इस्लामी सिद्वांतों, सच्चाई, हमदर्दी इंसानी उसूलों का प्रषिक्षण का पीरियड कहा जा सकता है । इस माह में की गई इबादतों का सवाब आम दिनों में की गई इबादतों कें सवाब से कई गुना ज्यादा रहता है । अल्लाह ने कुरआन में रोजे का हुक्त दिया व पूरा दिन रोजेदार कुरआन में बताये रास्ते पर चलने को लालायित रहता है । दिन भर रोजा रखकर रोजदार को जो खुषी होती है । उससे बडी खुषी रोजेदार आखिरत में अल्लाह से रोजे के बदले अब्दी ईनाम को पाकर महसूस करता है । कुरआन जिस महीने में नाजिल हुआ वह महीना रमजान का महीना था । पैगम्बर हजरत मोहम्मद पर पहली वही उस वक्त उतरी जब आप गारे हिरा में थे । वक्त-वक्त पर थोडा कुरआन उतरने के बाद तकरीबन 23 साल की मुददत में पूरा हुआ । यही वह पवित्र किताब है जिसे कयामत तक अल्लाह की हिफाजत हासिल है । यही वह किताब है जो इंसानो को अपनी मंजिल जन्नत तक पहुचांने का रास्ता दिखाती है । रमजान के महीने को दस-दस रोजें कें तीन हिस्सों में बांटा गया । पहले दस रोजे अल्लाह की रहमत हासिल करने, दूसरे दस रोजे मगफेरत तीसरे दस रोजे जहन्नुम के अजाब से निजात पाने के लिये है । रोजे का सामाजिक महत्व भी है । यह समाज के सम्पन्न, खुषहाल तबके के लोगों को अभाव, गरीबी व भुखे लोगों की परेषानी, पीडा का अनुभव कराता है । रोजे में यादे इलाही व उसका खौफ इंसान को हर अच्छा काम करने को अभिप्रेरित करता है । हदीस में कहा है कि रोजा रोजेदेार की हिफाजत कब्र में मरने के बाद भी करता है । रमजान के महीने में कसरत से नाफिल नमाज पढना, कुरआन की तिलावद करना, अल्लाह के हम्द व तकबीर बयान करना । दुरूद ष्षरीफ पढने में मषगूल रहना, फिर दिन भर रोजा रखने के बाद रोजा इफतार करना, रोजेदार को नफस परस्ती वाली ष्षख्सियत को मिटाकर उसमें इंसानियत को भर देती है । रमजान में ऐतफाक की बडी फजीलत होती है । रमजान का महीना इंसानियत को बढावा देने तथा ईमान वालों के लिये बुनियादी प्रषिक्षण होता है ।इसमें इंसान हर तरह की बुरईयों व गुनाहों से बचाता है । इस्लाम ही ऐसा मजहब है जो हलाल व हराम में फर्क को समझता है । हदीस में कहा कि जिसने रोजा रखा, ईमान व अहसताब के साथ उसके तमाम पिछले गुनाह माफ कर दिये जाएगें । रमजान की रातों में एक रात ष्षबेक्रद्र की कहलाती है । यह रात बडी खैर व बरकत वाली रात है । कुरआन में इसे हजारों महीनों से अफजल बताया गया है । यह वह पवित्र रात है जिसमें हजरत जिब्राईल फरिष्तों की एक बडी जमाअत लेकर जमीन पर तषरीफ लाते है । अल्लाह के हुक्म से पूरी दुनिया का चक्कर लगाते है । इबादत में रात गुजारने वालों के लिए दुआऐं करते है और मुबारकबाद पेष करते है । पूरी रात चारों तरफ सलामती ही सलामती रहती है । फर्ज का वक्त होते-होते ह यह नूरी काफिला वापस चला जाता है । रमजान के आखिरी 21, 23, 25, 27, 29 वीं रातों को षबेक्रद्र की रात बताया है । रमजान के तीस दिनों तक एक विषेष नमाज पढी जाती है जिसे तराबीह कहते है । रोजा रखने के पीछे मान्यता यह है कि रोजा खुदा के आदेष का व्यावहारिक रूप से पालन करने और अनुषासित जीवन जीने के लिए प्रषिक्षित करता है।

सज्जाद अहमद कुरैषी
65 मीरकंला बाजार
दायरा षाजापुर
मेबाइल 9826621355

अमीरी गरीबी का भेद।

हमारे देश में जब से नई आर्थिक नीतियां अपनाई गई है तब से हमारा देश विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बना तथा अन्य समूहों का भी सदस्य बना है जैसे कि जी - 20 एवं बिक्स बना है। इन संगठनों में भारत की उपस्थिति केवल आर्थिक बाजार के कारण निश्चित हो रही है। यदि हमारा देश दुनिया के लिए बहु व्यापारिक साझेदारी की रणनीति है। हमारे देश में नई आर्थिक नीतियों पर चलते हुए निजीकरण का रास्ता अपनाया जा रहा है। सरकारी क्षेत्र के तमाम उपक्रम को निजी क्षेत्र में उनके पूंजीपतियों के हाथों मं सौंपा जा रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र का विनिवेश देश के लिए खतरनाक स्थिति में हो रहा है। अमीरी और गरीबी के बीच की खाई निरंतर बढ़ती जा रही। सन् 1991 से अपनाई जा रही नीतियां सार्वजनिक क्षेत्र का बंटाधार कर रही हैं। भारत को अपने पक्ष में अनुकूल परिस्थितियों उपलब्ध नहीं हो रही है। जिसके कारण बेरोजगारी की भयावहता से अमीरों और गरीबों के बीच का भेद बढ़ता जा रहा है। इसके लिए सर्वप्रथम जनगणना पूरी होने पर देश की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में जन भागीदारी का स्पष्ट चित्र हमारे सामने होगा जिसमें नागरिकों का पिछड़ापन आर्थिक वृद्धि में सहयोग नहीं दे सकेगा।

- के.एन.शर्मा,कँवर कालोनी,
बड़वाह जिला-खरगोन

क्षणिकाएं

जनता की
है
अधूरी आस
अपने हित
के
सभी बिल पास
महत्वांकाक्षा
व स्वार्थ
मचाए रास
सदन का
समय
कोलाहल
व
बीता
हास परिहास

गरीब व
कमजोर
किसका पकड़े
हाथ
व
किसकी बैठे गोटी
लो
आ गयी
नयी
योजना
सौगात ए- मोदी

- प्रदीप शर्मा
27, नर्मदा मार्ग,
महेश्वर (खरगोन)

बातें करें बचपन की

आओ आज पास बैठकर,
बातें करें अपने बचपन की।
मौज-मस्ती वह याद करें,
मधुमय उस भोलेपन की।।
एक-दूसरे का साथ देते,
सच्चे साथी तब बनकर।
खेलकूद हम सारे खेलते,
पिताजी से छुप-छुपकर।।
दूर नहीं थी कोई मंजिल,
कदम हमारे कब रुकते।
खानपान की परवाह नहीं,
थोडा खा लेते सोते-जगते।।
धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते,
गरिमामय इस जीवन की।
आओ आज पास बैठकर,
बातें करें अपने बचपन की।।
मित्रों संग मौज मनाते,
चिंता न कुछ काम की।
हरक्षण का आनंद उठाते,
चिंता न अपने नाम की।।
रास बहुत ही आती थी,
तब खट्टी-मीठी वे बातें।
एक-दूसरे को चिढ़ाने,
गीत सभी हम मिल गाते।।
घर की याद नहीं रहती,
यादें आती उस गान की।
आओ आज पास बैठकर ,
बातें करें अपने बचपन की।।
बचपन के उस समय में,
हम सब मन के राजा थे।
बिना किसी चिंता भय के,
तब हम कितने ताजा थे।।
पांव कभी नहीं रुकते,
चिंता न आन-बान की।
मित्रों में सब बांट देते,
वस्तुएं खान-पान की।।
जिम्मेदारियों ने ऐसा घेरा,
अब होती कहां शिव मन की।
आओ आज पास बैठकर,
बातें करें अपने बचपन की।।

शिवलाल दांगी,अध्यापक
सीएम राइज
शा.उ.उ.मा.विद्यालय,
सुसनेर जिला आगर
मालवा म.प्र.

रामपुरा में मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम की तैयारियों का कलेक्टर एवं एसपी ने लिया जायजा

मनासा। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा एवं पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने गुरुवार को अधिकारियों के साथ रामपुरा का भ्रमण कर अप्रैल के प्रथम सप्ताह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संभावित कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर एवं एसपी ने रामपुरा के मेला ग्राउंड का अवलोकन कर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए सभा स्थल मंच निर्माण की व्यवस्थाओं को देखा और लोक निर्माण विभाग के एसडीओ एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी रामपुरा को मैदान का समतलीकरण करवा कर आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को मेला ग्राउंड स्थल पर वर्तमान में स्थित विद्युत लाइन को अन्यत्र शिफ्ट करवाने के भी निर्देश दिए। रामपुरा के कॉलेज के पीछे स्थित मैदान पर प्रस्तावित हेलीपैड स्थल का निरीक्षण कर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को हेलीपैड निर्माण की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वही रामपुरा रोड़ से खेतपालियां रोड़ पर सड़क के दोनों ओर के खेतों में यात्री बसों एवं वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश भी दिए। इस निरीक्षण के दौरान एसडीएम पवन बारिया ,आर आई विक्रम सिंह, तहसीलदार रामपुरा ,थाना प्रभारी आरसी डांगी सहित लोक निर्माण, विद्युत मंडल नगर पंचायत व अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

एक रात्री में दो-दो नेत्रदान, पाटीदार व राठौर के सम्पन्न

बड़नगर । जवाहर डोसी

पीयूष किसी के जीवन से अंधेरा दूर कर नेत्र ज्योति प्रदान करने की सद्इच्छा से नेत्रदान का कार्य अब शहरी के साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी अलख जगाने लगा है।

नेत्रदान की इच्छा रखने वाले महामानव अब इस विषयक प्रपत्र भरकर देने लगे हैं और मृत्युपरांत परिवारजन भी पहाड़ जैसा दारुण दुःख आने पर भी अपने परिजन का परोपकार की भावना से बड़े विकट/ विषम परिस्थिति में भी यह पुण्य कार्य करने में अग्रणी रहने लगे हैं।

गीता भवन न्यास समिति बड़नगर द्वारा 678 वां नेत्रदान दि. 26/03/2025 बुधवार रात्रीः 1:05 मिनट पर स्व.श्रीमान भरतलाल पुत्र स्व.श्रीमान राजमल पाटीदार,उम्र 52 वर्ष,ग्राम भाटी बडोदिया तह.जि.रतलाम का स्वर्गवास होने पर पुत्र सुनील पाटीदार व परिजन की स्वप्रेरणा से हेमन्त मुणत नेत्रम संस्था रतलाम को सूचित किया।द्वितीय 679 वां नेत्रदान रात्री 2:08 मिनट पर स्व.श्रीमान बंसतीलाल पिता स्व.श्रीमान रामप्रसाद राठौर उम्र 87 वर्ष, 116 शहर सराय,रतलाम का स्वर्गवास होने पर गोपाल राठौर पतरा वाले नेत्रम सस्था,रतलाम द्वारा पुत्र मुकेश राठौर व परिजन को प्रेरित करते हुए भगवान ढलवानी नेत्रम सस्था,रतलाम को सूचित किया व उनके द्वारा गीता भवन के ट्रस्टी,नेत्रदान देहदान प्रभारी डॉ.जी.एल. ददरवाल(कुमावत) को सूचित किया।सूचना मिलते ही प्रभारी अपनी टीम मोहनलाल राठौर, भावेश तलाज को साथ लेकर अमृतजी संरपच ग्राम भाटी बडोदिया,मीनु माथुर नेत्रम संस्था रतलाम के सहयोग से सफल नेत्रदान करवाया।

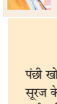

संस्था अध्यक्ष हरिकिशन मेलवाणी ने कृतज्ञता प्रकट करते हुए नेत्रदानी द्वय परिवार को धन्यवाद व्यक्त किया।

समस्याओं का समाधान...

समस्याओं का समाधान ढूंढता रहा
हर शख्स मुझसे सवाल पूछता रहा।
सादगी व शराफत का फायदा मिला
चौराहे पर यहां वहां सब लूटता रहा।।
नम्रता, ईमानदारी का मिला सबक
छोटो से बड़ों के लिए वह झुकता रहा।।
चाटुकारिता में रहा वह सदा पीछे,
जमाना उसको कटु तंज कसता रहा।।
किसका भरोसा करे जमाने हम प्रदीप
हर कोई अपना बन पग-पग छलता रहा।।

तीनों पहर भूख न शरमाई
दिखी केवल शब्दों की परछाई।
बहुत याद आते वे तन्हाई में
मेहनत के बाद भी पैसा न मिले गहराई।
गरीबी मेंहो रहा आटा गीला,
कैसे करे उसकी मिलजुल भरपाई।।
चौखट पर वो मुंह फुला बैठा
दो टुकड़े मिले तो जीभ उसकी हकलाई।
रुपहले परदे पर रंगीन भेष में
नायक व नायिका दोनों अदाओं में शरमाई।।
हर जंग हो जाए आसान
जीवन में बढ़ जाए शान
मातृभूमि का हो गौरव गान
तभी मुक्तकंठ से
वो बोलेगा गगन
हमारा हिन्दुस्तान महान।

- प्रदीप शर्मा
27, नर्मदा मार्ग, महेश्वर (खरगोन)

सूरज

पंछी खोजते दाना-पानी
सूरज के उदय की दिशा में
सूर्य घड़ी प्रकाश बिना सूनी।
जल का अर्ध्य स्वागत हेतु
आतुर हो रही हथेलियां
सूरज के ऐसे ठाट।
नदियों के तट सुप्रभात के संग
देवता,और इंसान देखते रहे
इंसान ढूंढ रहा देवता
ऊपर देखे तो
देवता नित्य दर्शन देते।
वे ऊर्जा का प्रसाद
देते रोज सभी को धरा पर
सूरज के बिना जग अधूरा
ब्रम्हांड अधूरा
प्रार्थना अधूरी।

संजय वर्मा दृष्टि
मनावर जिला धार मप्र